स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, खण्ड-तीन

महिला उपन्यासकार
(वस्तुनिष्ठ)

— डॉ० मुन्ना साहू

महिला उपन्यासकार	उपन्यास
1. उषा प्रियंवदा	— पचपन खम्भे लाल दीवारें (1961), रुकोगी नहीं राधिका (1967), शेषयात्रा (1984)
2. कृष्णा सोबती	— मित्रो मरजानी (1967), सूरजमुखी अँधेरे के (1972), जिन्दगीनामा (1979), दिलोदानिश (1993)।
3. शशिप्रभा शास्त्री	— अमलतास (1968), नावें (1974), सीढ़ियाँ (1976), परछाइयों के पीछे (1979), क्योंकि (1980)।
4. मन्नू भण्डारी	— आपका बंटी (1971), महाभोज (1979)।
5. ममता कालिया	— बेघर (1971), नरक दर नरक (1975), प्रेम कहानी (1980)।
6. मृदुला गर्ग	— उसके हिस्से की धूप (1975), वंशज (1976), चितकोबरा (1979), अनित्य, कठगुलाब (1996)।
7. मृणाल पाण्डेय	— विरुद्ध (1977), रास्तों पर भटकते हुए (2000)।
8. नासिरा शर्मा	— सात नदियाँ एक समुन्दर (1984), जिन्दा मुहावरे (1993), अक्षयवट (2003), जीरो रोड (2008), अजनबी जजीरा (2012)।
(9) प्रभा खेतान	— आओ पेपे घर चले (1990), तालाबंदी (1991), छिन्नमस्ता (1993), पीली आँधी (1996)।
(10) मैत्रेयी पुष्पा	— स्मृति दंश (1990), बेतवा बहती रही (1993), चाक (1997)।
(11) चित्रा मुद्गल	— एक जमीन अपनी (1990), आवाँ (2000), गिलिगडु (2002)।
(12) मधु कॉंकरिया	— खुले गगन के लाल सितारे (2000), सलाम आखिरी (2002), पत्ताखोर (2005), सेज पर संस्कृत (2008)।